भाग–2

उच्च–स्तरीय कौशलों पर ज़ोर

परिचय

हमने देखा कि बच्चों के अनुभव और पूर्वज्ञान का इस्तेमाल उन्हें नया सीखने में मदद करता है। इसी तरह, एक अन्य प्रक्रिया जिसे हमें अपनी कक्षाओं में बढ़ावा देना चाहिए, वह है – **बच्चों में उच्च–स्तरीय कौशलों को बढ़ावा देना।**

आइए, इसे समझते हैं।

भाग–2 : उच्च–स्तरीय कौशलों पर ज़ोर

2.1 बुनियादी व उच्च–स्तरीय कौशल क्या हैं ?

2.2 बुनियादी व उच्च–स्तरीय कौशलों पर काम करने की रणनीतियाँ

2.1 कक्षाओं में उच्च–स्तरीय कौशलों को बढ़ावा देने की ज़रूरत –

हम रवि जी की कक्षा में देखते हैं कि वे बच्चों के साथ पैटर्न पर कैसे काम कर रहे हैं।

गतिविधि चरण 1

रवि जी अपनी कक्षा में कुछ बड़े मोती, पत्थर, पत्ते, चॉक, आदि लेकर आए और उनसे एक पैटर्न बना कर बच्चों को दिखा रहे हैं। साथ ही वह बच्चों से कुछ सवाल भी पूछते हैं।

ये वस्तुएँ कैसे रखी गई हैं ?

क्या मैंने किसी खास तरीके का इस्तेमाल किया है ?

अब मैं अगली कौन सी वस्तु रखूँ ? क्यों ?

रवि जी बच्चों के साथ मिलकर कुछ और पैटर्न भी बनाते हैं और हर बार बच्चों को अवलोकन और विश्लेषण के मौके देते हैं।

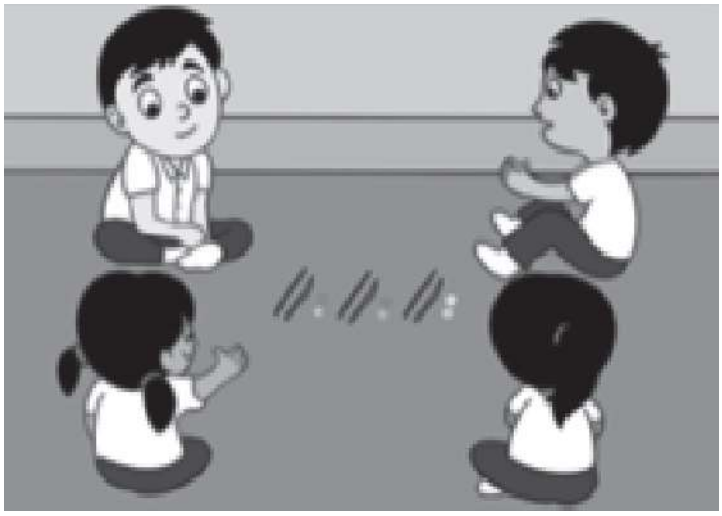

गतिविधि चरण 2

वह बच्चों को पैटर्न बनाने के लिए छोटे समूह में वस्तुएँ देते हैं। बच्चे एक–दूसरे से बात करते हुए कुछ पैटर्न बनाते हैं।

वह हर समूह के पास जाकर पूछते हैं कि उन्होंने अपने पैटर्न कैसे बनाए हैं। रवि जी बच्चों को खुद के कई पैटर्न बनाने और उनके बारे में अपने शब्दों में बताने के मौके देते हैं।

गतिविधि

निम्नलिखित में से उन कौशलों को चुनिए, जिन पर रवि जी की कक्षा में काम किया गया।
(एक से अधिक विकल्प चुनें)

1. विश्लेषण करना, तर्क देना व अनुमान लगाना
2. कल्पना करना
3. वस्तुओं से नए पैटर्न बनाना
4. शिक्षक के बनाए क्रम को दोहराना

(सही विकल्प : 1 व 3)

हमने देखा कि रवि जी ने अपनी कक्षा में बच्चों में उच्च–स्तरीय कौशलों को बढ़ावा दिया। जैसे–

पैटर्न का विश्लेषण करना	उसके क्रम के लिए अपना तर्क देना	अगली वस्तु क्या होगी, उसका अनुमान लगाना	अपनी समझ से नए पैटर्न बनाना

आमतौर पर कक्षाओं में ज़्यादातर समय बच्चे बुनियादी कौशलों में व्यस्त रहते हैं। जैसे कि, भाषा की कक्षा में शिक्षक के पीछे बारहखड़ी को दोहराना, वर्ण पहचानना, सुनकर या देखकर शब्द लिखना, बंद छोर वाले प्रश्नों के जवाब देना, आदि।

भाषा कक्षाओं में उच्च–स्तरीय कौशलों को भी बढ़ावा दिए जाने की ज़रूरत है, जैसे कि :–

बच्चे गणित की कक्षा में भी प्रक्रियाओं के यांत्रिक अभ्यास में जुड़े ज़्यादा नज़र आते हैं। जैसे कि, गिनती को बोलना व लिखना, पहाड़ों को याद करना, आदि। यद्यपि, हिसाब–किताब लगाने में गति के लिए गिनती, पहाड़ों आदि का याद होना ज़रूरी है परंतु, यह गणित की प्रक्रियाओं का एक बहुत छोटा सा भाग है।

गणित में बहुत से कौशल शामिल हैं, जैसे कि –

- मात्रा, दूरी, संख्या आदि का अनुमान लगाना
- वस्तुओं का वर्गीकरण करना और उसका तर्क समझाना
- तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालते हुए सामान्यीकरण करना
- दैनिक स्थितियों व गणितीय संदर्भ में समस्याओं का समाधान करना, आदि ।

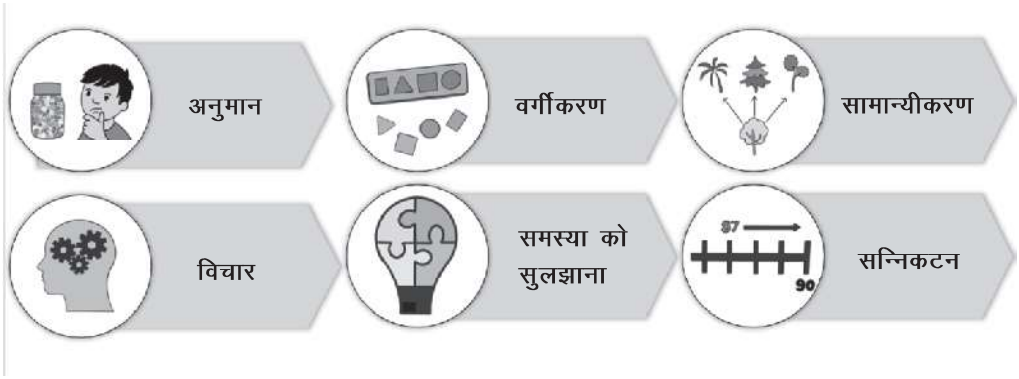

प्रारंभिक कक्षाओं में बुनियादी व उच्च–स्तरीय दोनों ही कौशलों पर संतुलन बनाकर काम किया जाना चाहिए।

उच्च–स्तरीय कौशलों पर ज़ोर देना आवश्यक है पर साथ ही बुनियादी कौशल भी महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए, प्रारम्भिक कक्षाओं में बुनियादी व उच्च–स्तरीय दोनों ही कौशलों पर संतुलन बनाकर काम किया जाना चाहिए। वर्तमान कक्षाओं में बुनियादी कौशलों पर अधिक ज़ोर होता है परंतु उसके लिए भी उपयुक्त रणनीतियों का प्रयोग नहीं किया जाता। आइए, इन दोनों तरह के कौशलों से जुड़ी कुछ रणनीतियाँ जानते हैं।

2.2 बुनियादी व उच्च-स्तरीय कौशलों पर काम के लिए रणनीतियाँ

कौशल का प्रकार	कौशल का उदाहरण	गतिविधियों के उदाहरण
बुनियादी कौशल	वर्ण–अक्षर व अंक पहचानना व लिखना	फ्लैश कार्ड से पहचान करवाना, कंकड़ से अक्षर/अंक बनाना, ज़मीन पर ग्रिड बनाकर बोले गए वर्ण पर कूदना, आदि।
	संख्याओं का क्रम जानना	अंकों के कार्ड को क्रम में लगाना, ज़मीन पर अंकों का रास्ता बनाकर बच्चों को क्रम अनुसार चलने को कहना।
	कहानी के तथ्यों पर बात करना	तथ्य आधारित प्रश्नों जैसे कि क्या, कौन, कहाँ, कब के जवाब देना
उच्च–स्तरीय कौशल	अपनी बात मौखिक व लिखित रूप में व्यक्त कर पाना।	किसी अधूरी सुनाई गई कहानी का अंत सोचना व उसे पूरा कर के अपने शब्दों में बताना या लिखना।
	तर्क–वितर्क करना।	किसी सामान्य मुद्दे जैसे कक्षा में सफ़ाई बनाए रखने के लिए तर्क–वितर्क करते हुए समाधान ढूँढना।
	समस्या–समाधान	रोज़मर्रा की स्थितियों को हल करना जैसे कि, "दूध 50 रुपए किलो है। मुझे 2 किलो दूध के लिए दूधवाले को कितने रुपए देने होंगे ?"

भाग–2 के मुख्य बिंदु

- प्रारंभिक कक्षाओं में उच्च–स्तरीय कौशलों पर ज़ोर देना आवश्यक है।
- भाषा से जुड़े उच्च–स्तरीय कौशल–अर्थ निर्माण, किसी कहानी के बारे में अनुमान लगाना, निष्कर्ष निकालना, अपने विचार/कल्पना/अनुभव बोलकर व लिखकर साझा करना, तर्क देना, आदि।
- गणित से जुड़े उच्च–स्तरीय कौशल – अनुमान लगाना, वर्गीकरण, तर्क करना, सामान्यीकरण, समस्या समाधान, सन्निकटन।
- बुनियादी व उच्च–स्तरीय, दोनों ही कौशलों पर संतुलन बनाकर काम करना ज़रूरी है ।